11 जनवरी, 2018

प्रेस विज्ञप्ति

युवाओं की बढ़ती भागीदारी से गुलज़ार है पुस्तक मेला

"नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में हर तरफ युवा–पीढ़ी को अपनी पसंदीदा पुस्तकों को ढूँढ़ता देख तथा मेले में प्रतिदिन युवाओं के समूहों को पहुँचते देख मुझे अत्यंत प्रसन्न्ता का अनुभव हो रहा है। युवा हमारे देश का भविष्य हैं तथा युवाओं की पुस्तकों में बढ़ती रुचि देख आनंद का अनुभव होता है।" मेले में रोज़ बढ़ती युवाओं की उत्साहजनक भागीदारी के बारे में बीबीसी पंजाबी से बात करते हुए राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के अध्यक्ष, डॉ. बल्देव भाई शर्मा ने यह बात कही।

उल्लेखनीय है कि मेले में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास सहित अन्य सरकारी प्रकाशन संस्थाएँ जैसे एनसीईआरटी, साहित्य अकादेमी, ऑल इंडिया रेडियो, प्रकाशन विभाग, आईसीएआर, आईसीएचआर आदि पाठकों का ध्यान अपनी ओर खींच रहे हैं। गुणवत्तापूर्ण पुस्तकें उचित दामों में मिलने के कारण पुस्तक–प्रेमियों का इन स्टॉलों पर विशेष आकर्षण बना हुआ है।

थीम मंडप

आज थीम मंडप पर 'हिमालय : संवेदनशीलता, वर्तमान खतरे एवं चुनौतियाँ' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें जाने–माने पर्यावरणविद् श्री चंडीप्रसाद भट्ट तथा पत्रकार एवं लेखक, सोपान जोशी उपस्थित थे। इस अवसर पर श्री चंडीप्रसाद भट्ट ने पर्यावरण संबंधी विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण बहुत आवश्यक है, इसकी अनदेखी कर हम अपने भविष्य को दांव पर लगा रहे हैं। उन्होंनें यहाँ *चिपको आंदोलन* के विषय में भी पाठकों को बताया कि *चिपको आंदोलन* पेड़ों की कटाई को रोकने के लिए किया गया एक महत्त्वपूर्ण आंदोलन था जिसमें महिलाओं और युवाओं का विशेष योगदान रहा था। इस आंदोलन ने न केवल पेड़ों को कटने से रोका अपितु इसके बाद से लोग पर्यावरण के प्रति अधिक सचेत हुए और लोगों ने पेड़ों को काटने की बजाय पेड़ लगाना प्रारंभ किया। इस कार्यक्रम का संचालन श्री मनीष मोहन गोरे द्वारा किया गया।

इसी मंडप पर असम सरकार द्वारा *माजुली कार्बन–न्यूट्रल इनिशिएटिव* विषय पर विचार–गोष्ठी का आयोजन हुआ जिसमें वक्ता के रूप में उपस्थित थे : ए. के. जौहरी, स्वप्न मेहरा, पल्लव झा तथा छाया भांटी। इस अवसर पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की निदेशक, डॉ. रीता चौधरी भी उपस्थित थीं। कार्यक्रम के दौरान इस परियोजना से संबंधित पुस्तिका का भी लोकार्पण किया गया।

यहाँ आज 'पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन' विषय पर गोष्ठी आयोजित हुई जिसमें वरिष्ठ पत्रकार, अरविंद कुमार तथा वरिष्ठ पत्रकार, प्रमोद भार्गव, संजय कश्यप तथा अमरेंद्र किशोर उपस्थित थे।

साहित्यिक गतिविधियाँ

सेमिनार हॉल में हरियाणा पंजाबी साहित्य अकादेमी, पंचकूला तथा पंजाब लोकमंच, दिल्ली द्वारा कवि–दरबार का आयोजन किया गया। जिसमें पंजाबी के प्रसिद्ध कवियों ने कविता–पाठ किया। यहाँ गुरु

हरकिशन पब्लिक स्कूल, दिल्ली के बच्चों ने भी पुस्तकों और पढ़ाई के महत्व का संदेश देने वाली कविताओं का पाठ किया। प्रोफेसर सुदर्शन ने कार्यक्रम का संचालन किया।

लेखक मंच पर युवा उत्कर्ष साहित्यिक मंच द्वारा पुस्तक लोकार्पण एवं परिचर्चा कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें *बोलो गंगापुत्र* (डॉ. पवन विजय), *दीवार में आले* (रामकिशोर उपाध्याय), *गांधी और उनके बाद* (ओमप्रकाश शुक्ल), *बस एक निर्झरणी भावनाओं की* (त्रिभुवन कौल) पुस्तकों का लोकार्पण हुआ।

बाल मंडप

बच्चों के इस मंडप पर आज *चंपक क्रिएटिव चाइल्ड कॉन्टेस्ट* कार्यशाला का आयोजन हुआ जिसमें सलवान पब्लिक स्कूल, राजेंद्र नगर और निधि पब्लिक स्कूल के बच्चों ने *प्रदूषण मुक्त वातावरण* विषय पर चित्रकारी की। यहाँ बच्चों ने अपनी कल्पनाओं को रंगों के ज़रिए कागज़ पर उतारा। कार्यक्रम के अंत में सभी बच्चों को भागीदारी प्रमाण–पत्र भी दिए गए। इस कार्यशाला में भाग लेकर स्कूली बच्चे एवं अध्यापक अत्यंत उत्साहित थे।

इसी मंडप पर निधि पब्लिक स्कूल के बच्चों द्वारा *बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ* विषय पर नाटिका प्रस्तुत की गई। इसके अतिरिक्त, आज यहाँ आईओआरए इकोलॉजिकल सल्यूशन द्वारा पर्यावरण पर आधारित क्विज़ आयोजित हुई जिसमें जनजातीय शोध एवं विकास संस्थान से आए बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रमों की श्रृंखला में एक अन्य कार्यक्रम *मेकिंग इंडिया, स्किल इंडिया में शिक्षा का महत्व* विषय पर पैनल चर्चा का आयोजन डिस्कोर्स अकैडमी द्वारा किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

पुस्तक मेले में साहित्यिक गतिविधियों के साथ–साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भी मेले की रौनक में चार चाँद लगा दिए हैं। हर शाम हंसध्वनि थिएटर में संगीत और नृत्य प्रस्तुति आयोजित की जाती है। आज इस मंच पर राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद द्वारा *मुशायरा* आयोजित किया गया। मुशायरा कार्यक्रम में भाग ले रहे शायरों और कवियों ने इस अवसर पर एक से बढ़कर एक उर्दू शायरी, गज़लें, नज़्में प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। यहाँ राष्ट्रीय उर्दू भाषा विकास परिषद के निदेशक, प्रो. सैयद अली करीम; परिषद के प्रकाशन अधिकारी, डॉ. शम्स इकबाल, शबाना शबनम, दीप्ती मिश्रा, प्रो. फारुक बख्शी, वसीम बरेलवी आदि उपस्थित थे।

आज मेले में हॉल सं. 7 में चेक रिपब्लिक के अंतरराष्ट्रीय ऑर्केस्ट्रा द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई। ऑर्केस्ट्रा द्वारा कार्यक्रम की शुरुआत वाद्य–यंत्रों पर भारत तथा चेक रिपब्लिक के राष्ट्रगान की धुनों से की गई। यहाँ कलाकारों का आपसी सामंजस्य और तालमेल बेहतरीन था तथा संगीत अत्यंत मधुर था। श्रोताओं ने इनके संगीत का भरपूर आनंद उठाया व सभी श्रोता इनकी धुनों पर थिरकते दिखाई दिए। इस अवसर पर यूरोपीय संघ, चेक रिपब्लिक तथा स्लोवाकिया के माननीय राजदूत तथा एनबीटी के अध्यक्ष, डॉ. बल्देव भाई शर्मा उपस्थित थे।

आज पुस्तक मेले में सांसद श्री मनोज तिवारी तथा श्री राजेंद्र अग्रवाल ने भी शिरकत की।